

## राष्ट्रीय प्रतस्पर्द्धा आयोग ने लगाया कोल इंडिया पर जुर्माना

### समाचारों में क्यों ?

वदिति हो कि भारतीय प्रतस्पर्द्धा आयोग (सीसीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया पर 591 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी पर यह जुर्माना ईंधन आपूर्ति समझौते में कथति तौर पर अनुचित शर्तें रखने के लिये लगाया गया है।

### क्यों लगाया गया है जुर्माना ?

भारतीय प्रतस्पर्द्धा आयोग ने 56 पृष्ठ के अपने आदेश में कंपनी को प्रतस्पर्द्धा नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया और कहा कि कंपनी बजिली उत्पादों को गैर-कोकगि कोल की आपूर्ति के मामले में अनुचित व भेदभावपूर्ण शर्तें लगाकर प्रतस्पर्द्धा नियमों का उल्लंघन कर रही है। कोल इंडिया ने ईंधन आपूर्ति समझौते संबंधी नियम व शर्तें किसी साझी प्रक्रिया के जरिये तय ही नहीं किये थे बल्कि इन्हें एकतरफा तरीके से करेताओं पर थोप भी दिये थे।

### भारतीय प्रतस्पर्द्धा आयोग क्या है ?

अर्थव्यवस्था में नष्पिकष प्रतस्पर्द्धा के सृजन और इस संदर्भ में 'सबको समान अवसर प्रदान' करने के लिये संसद द्वारा 13 जनवरी 2003 को प्रतस्पर्द्धा अधिनियम 2002 को लागू किया गया। 14 अक्टूबर 2003 में केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय प्रतस्पर्द्धा आयोग (सीसीआई) की स्थापना की गई। इसके बाद प्रतस्पर्द्धा (संशोधन) अधिनियम, 2007 द्वारा इस अधिनियम में संशोधन किया गया। 20 मई 2009 को प्रतस्पर्द्धा-वरीधी समझौते और प्रमुख स्थतियों के दुरुपयोग से संबंधित अधिनियम के प्रावधानों को अधिसूचित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह अधिनियम जम्मू-कश्मीर के अलावा संपूर्ण भारत में लागू होता है। प्रतस्पर्द्धा आयोग के उद्देश्य नमिनलखित हैं।

- प्रतस्पर्द्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली पद्धतियों को रोकना।
- बाज़ार में प्रतस्पर्द्धा को बढ़ावा देना और इसे बनाए रखना।
- उपभोक्ताओं के हतियों की रक्षा करना।
- भारतीय बाज़ार अथवा आनुषांगिक रूप से जुड़े मामलों के लिये अन्य प्रतस्पर्द्धा द्वाारा किये जाने वाले व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना।